(४) नाचे रे इन्दर देव रे...

नाचे रे इन्दर देव रे... नाचे रे इन्दर देव रे...
जन्म कल्याणक की बज रइ बधैया मुक्ति में अब का देर रे;
नाचे रे इन्दर देव रे ॥ टेक ॥

शिवादेवी के गर्भ में आये, देखो जी नेमिकुमार रे;
समुद्रविजय जी फल बतावें, होवे खुशियाँ अपार रे।
नाचे रे इन्दर देव रे ॥ 1 ॥

शिवादेवी ने ललना जायो, जायो नेमिकुमार रे;
समुद्रविजय जी मुहरें लुटाये, देखो दोई–दोई हाथ रे।
नाचे रे इन्दर देव रे ॥ 2 ॥

देव–देवियाँ स्वर्ग से आये, मन में खुशियाँ अपार रे;
छप्पन कुमारी मङ्गल गावें, गावें मङ्गलाचार रे।
नाचे रे इन्दर देव रे ॥ 3 ॥